

फक्कड़ बाजी स्त्री. (देश.) गंदी और वाहियात बातें बकना।

फक्किका स्त्री. (तत्.) 1. शास्त्रार्थ में दुरुह स्थल को स्पष्ट करने के लिए पूर्व पक्ष के रूप में कही गई बात, कूट प्रश्न 2. अनुचित व्यवहार, धोखेबाजी।

फखर पुं. (अर.) फ़ख़र, गौरव, अभिमान, गर्व।

फग पुं. (देश.) 1. फंग, फंदा, जाल 2. प्रेम, अनुराग 3. बंधन, अधीनता 4. छल, कपट।

फगवा पुं. (तद्.) 1. फागुन, फगुआ, फाल्गुन, फागुन मास का उत्सव, होली 2. होली के अवसर पर होने वाला आमोद-प्रमोद 3. होली के अगले दिन रंग खेलना या अबीर-गुलाल आदि लगना 4. होली के गीत, फाग 5. फाग के मौके पर दिया जाने वाला उपहार, त्योहारी 6. फागुन में गाए जाने वाले अश्लील गीत।

फगुआ पुं. (देश.) दे. फगवा।

फगुआना अ.क्रि. (देश.) 1. फाग, होली के अवसर पर एक दूसरे पर रंग डालना, किसी को लक्ष्य बना कर फाग के गीत गाना 2. होली/फागुन के दिनों में बहुत अधिक मस्त, उदंड या उच्छृंखल हो जाना।

फगुनहट पुं. (तत्.) 1. फगुनहटा, फागुन के दिनों की तेज और ठंडी हवा 2. फागुन में होने वाली वर्षा, फगुनहटी।

फगुनिया वि. (देश.) 1. फागुन संबंधी, फागुन का 2. फागुन मास में होने वाला पु. त्रिसंधि नामक पुष्पवृक्ष।

फगुहारा पुं. (देश.) फगुहरा, फाग खेलने वाला व्यक्ति, फाग गाने वाला व्यक्ति **स्त्री.वि.** फगुहारिन, फगुहारी।

फजर स्त्री. (अर.) 1. फ़ज़्र, सबेरा, सुबह, प्रभात, तड़का, प्रातः काल 2. प्रातः काल की नमाज।

फजल पुं. (अर.) फजल, फज़ल, अनुग्रह, कृपा।

फजीलत स्त्री. (अर.) 1. फ़ज़ीलत, गौरव, महत्ता, प्रतिष्ठा 2. श्रेष्ठता, प्रधानता, उत्कृष्टता।

फजीहत स्त्री. (अर.) फ़ज़ीहत, अपयश, निंदा, बदनामी, अपमान, दुर्गति, दुर्दशा।

फजूल वि. (अर.) 1. फिज़ूल, व्यर्थ, निरर्थक, बेमतलब, बेकार 2. निकम्मा।

फजूल खर्च वि. (तत्.) बहुत और अनावश्यक खर्च करने वाला, अपव्ययी।

फट स्त्री. (देश.) 1. फटने की क्रिया या भाव, फटना 2. लकड़ी, बाँस आदि के फटने से उत्पन्न शब्द, किसी वस्तु के फटने से होने वाली ध्वनि, हल्की-पतली चीज के हिलने या गिरने-पड़ने का शब्द **क्रि.वि.** शीघ्र, तुरंत, फटाफट, फट से, जल्दी, तत्क्षण **पुं.** (तत्.) 2. साँप का फैला हुआ फन, पाखंड, धूर्त 3. एक तांत्रिक मंत्र, अस्तमंत्र।

फटक स्त्री. (देश.) 1. फटकन, फटकने की क्रिया या भाव 2. फटकने से निकला हुआ कूड़ा-करकट, सूप आदि से अनाज फटकने पर निकलने वाले छिलके या घटिया अंश **पुं.** (तद्.) 2. स्फटिक, बिल्लौर।

फटकन स्त्री. (देश.) दे. फटक।

फटकना स.क्रि. (देश.) 1. हिलाहिला कर फटफट शब्द करना, फटफटाना 2. पटकना, झटकना 3. फेंकना, चलाना, मारना **अ.क्रि.** 1. जाना, पहुँचना, दूर होना, अलग होना, तड़फड़ाना, हाथ-पैर पटकना 2. श्रम करना, हाथ-पैर हिलाना।

फटकनी स्त्री. (देश.) अनाज फटकने का सूप।

फटका पुं. (देश.) 1. फटफटाने की क्रिया या भाव, विवशता में हाथ-पैर पटकना 2. फलों को खजाने वाली चिड़ियों को उड़ाने के लिए पेड़ों में बाँधी लकड़ी जिसके साथ बाँधी रस्सी हिलाकर 'फट-फट' की आवाज निकलती है 3. रुई धुनने की धुनकी, गोफन का वह भाग जहाँ मिट्टी का ढेला या पत्थर रख दिया जाता है 4. पत्थरों की अधिकता वाली अनुपजाऊ रेतीली भूमि 5. प्रतिपक्ष के प्रति व्यंग्य, अपमान या लानत-मलामत भरी अन्योक्तियों से भरी गायन-प्रतियोगिता, फटके बाजी।

फटकाना स.क्रि. (देश.) 1. फटकने के लिए उकसाना, प्रेरित करना, किसी से फटकवाना 2.